

संपादकीय

सत्ता की भूख, रोटी की हूक

दिल्ली में सत्ता है तो भूख भी है। भूख अगर झारखंड में है तो इसका अर्थ यह नहीं है कि वह दिल्ली में नहीं होगी। भूख इतनी रेयर चीज भी नहीं है कि वह एक ही जगह पायी जाएगी, चाहे झारखंड में, चाहे दिल्ली में। वैसे भी दिल्ली तो कभी वाशिंगटन, लंदन और पेरिस बनने की ओर थी। पर इन दिनों जिस तरह यहां सड़के नदियां और तालाब बर्नी, उससे एकबारगी वह वेनिस जरूर नजर आयी।

हमेशा दिन में तारे ही नजर आना जरूरी नहीं है। झारखंड को अभी दिल्ली बनने में वक्त लगेगा। दिल्ली को तो वैसे ही बड़ी दूर माना जाता रहा है। कहावत है न दिल्ली दूर अस्ता। बताते हैं कि झारखंड में राशन नहीं मिलता और दिल्ली में राशन की होम डिलीवरी के लिए लड़मलड़ा है। वहां कोई बच्ची भात-भात रटते हुए दम तोड़ देती है।

हालांकि रटा तो राम नाम ही जाता है। क्या पता वह भी राम-नाम रटती तो बच जाती। रामजी बड़े दयालु हैं। पर यहां की बच्चियों ने कुछ नहीं कहा, न भात मांगा, न रोटी। चुपचाप दम तोड़ दिया। जरूर उनमें सब्र रहा होगा। सब्र का फल मीठा होता है, पर वे चख नहीं पायीं। खैर, अगले जन्म में सही।

पर अगर झारखंड में भूख है तो दिल्ली में भी भूख है और यहां भी और वहां भी भूख से मौतें हैं। दिल्ली में सत्ता है तो भूख भी है। हालांकि यहां सत्ता की भूख ही ज्यादा दिखाई देती है, रोटी वाली भूख की चर्चा कम ही होती है। दिल्ली में सत्ता के गलियारे हैं तो यहां भूख की गलियां भी हैं। अभी मंडावली में ही दिख रही हैं, हो सकता है और भी हों। जरूर होंगी साहब। भले ही नेता लाख दावा करें कि छोड़ आएं हम वो गलियां।

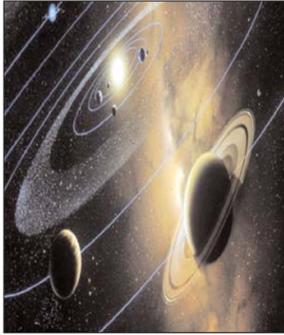
कभी दिल्ली में विकास था यानी विकास का दावा था, शोर भी था और दिखावने को मैट्रो थी, मॉल थे, फ्लाईओवर थे, एक्सप्रेस वे थे। लेकिन अब नेताओं और अधिकारियों के झगड़े हैं, इसलिए नहीं कि मेरी कमीज तेरी कमीज से ज्यादा सफेद है बल्कि इसलिए है कि मैं बड़ा कि तू बड़ा। अब यहां सीसीटीवी कैमरे हैं, राशन की होम डिलीवरी है, मोहल्ला क्लीनिक हैं, उनके लिए झगड़े हैं, मुकदमे हैं, टीवी चर्चाएं हैं और इन सबसे ऊपर एक ठो मुख्यमंत्री और एक ठो लाट साहब भी हैं। पर मत भूलिए कि भूख भी है।

हालांकि भूख से अगर मंडावली की ये बच्चियां दम नहीं तोड़ती तो भूख को हम भुलाए ही हुए थे। हम तो विश्व की सबसे तीव्र गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था थे। उसमें रोटी वाली भूख नहीं होती, नोटों वाली भूख होती है क्योंकि भूख कई प्रकार की होती है, इसलिए रोटी वाली भूख को कोई नहीं पूछ रहा था। पर अभी भी कौन पूछ रहा है। भूख से मौतें हैं। उन मौतों की ही चर्चा है। भूख की चर्चा तो बिल्कुल भी नहीं है।

चलें सूर्य की ओर

सौरमंडल के मुखिया सूरज का सबसे नजदीक से अध्ययन करने वाले डेढ़ अरब डॉलर के पार्कर सोलर प्रोब को अपनी यात्रा कई बार टालनी पड़ी है। कारण यह कि यह नासा द्वारा छोड़ा जा रहा अब तक का सबसे भारी यान है। 600 टन से ज्यादा तो इसमें ईंधन भरा है। एक छोटी कार जितनी बड़ी लैबोरेटरी और मोटे तापरोधी कवचों का वजन अलग से है। किसी को लग सकता है कि सूरज तो अपने प्रचंड गुरुत्व से यान को अपनी तरफ खींच ही रहा होगा, फिर देरों ईंधन के साथ

पर खाना हो रहा है। इस दौरान यह सूरज के 24 चक्कर लगाएगा और इसके लिए शुरु प्रह का इस्तेमाल छह-सात बार गुलेल की तरह करेगा।



सूरज से इसकी पहली नजदीकी 5 नवंबर 2018 को बनेगी और दिसंबर में यह अपने अध्ययन आंकड़े पृथ्वी को मुहैया कराना शुरू कर देगा। लेकिन इसका जलवा अपने जलाल पर होगा दिसंबर 2024 में, जब सूरज की सतह से इसकी दूरी मात्र 60 लाख किलोमीटर होगी और सवा सात लाख किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से यह 'डेल्टा 4 हैवी' जैसा सबसे ताकतवर रॉकेट इस काम में जोतने की क्या जरूरत पड़ गई। तो गलतफहमी दूर कर लें।

यान को सूरज की उलटी यानी मंगल की दिशा में छोड़ने में जितनी ऊर्जा लगती है, उसकी 55 गुनी ऊर्जा उसे सूरज की दिशा में दागने में लगनी है। और इसके लिए चार बजे भोर के इर्द-गिर्द केवल 65 मिनट की विंडो है, ताकि पृथ्वी के इर्द-गिर्द मंडारते वान एलन बेल्ट के आवेशित कणों से इसका सामना कम से कम हो। ध्यान रहे, यह यान सात साल (या उससे ज्यादा) के लंबे सफर

30 लाख डिग्री सेल्सियस तापमान वाले सूरज के सबसे गरम हिस्से कोरोना की दहलीज छूता हुआ गुजर रहा होगा। इस प्रोब को दो बहुत बड़े रहस्यों का पता लगाना है। एक, 5500 डिग्री तापमान वाले सूरज की तपिश दूरी बढ़ने के साथ बढ़कर 500 गुनी कैसे हो जाती है? और दो, सूरज से लगातार बाहर की तरफ फेंकी जा रही सौर हवाओं का कारण क्या है? उम्मीद करें कि अगले सात सालों में हम अपने अस्तित्व के केंद्र, अपने सबसे नजदीकी तारे को लेकर काफी कुछ जान जाएंगे।

पढ़ाई करने और करियर बनाने के इरादे से अमेरिका गए भारतीय और अन्य बाहरी छात्रों की चिंताएं अब और बढ़ने वाली हैं। अमेरिकी सरकार ने उनके लिए जो फाइनेल पॉलिसी गाइडलाइंस जारी की हैं, उनके मुताबिक उनके अमेरिका में रहने की समय-सीमा खत्म न हुई हो तो भी वे अवैध प्रवास के दोषी माने जा सकते हैं। इन नए प्रावधानों के मुताबिक किसी छात्र या छात्रा का 'स्टूडेंट स्टेटस' किसी भी वजह से हटता है तो अमेरिका में उनका रहना गैरकानूनी माना जाएगा और उनके अवैध प्रवास के दिनों की गिनती उसी समय से शुरू हो जाएगी। अब तक लागू व्यवस्था के मुताबिक यह गिनती तब शुरू होती थी जब उल्लंघन साबित होता था, या इमीग्रेशन जज ऐसा आदेश पारित करता था।

यह गिनती इस लिहाज से अहम है कि अगर किसी व्यक्ति की 180 दिनों की अवैध मौजूदगी दर्ज हो जाती है तो अमेरिका में उसके दोबारा प्रवेश पर तीन से दस साल तक का बैन लग जाता है। यानी अमेरिका में करियर बनाने का किस्सा ही खत्म। इसमें बहुत ज्यादा गुंजाइश इस बात की है कि किसी स्टूडेंट

को उसकी गलती के बगैर ही सजा मिल जाए। 'स्टूडेंट स्टेटस' हटने की कई वजहें हो सकती हैं, जिनमें संस्थान द्वारा डेटा एंटी में हुई मानवीय गड़बड़ियां भी शामिल हैं। अब तक 'स्टूडेंट स्टेटस' के ऐसे उल्लंघन से छात्रों को ज्यादा नुकसान नहीं होता था क्योंकि ये प्रक्रियागत अड़चनें समय रहते दूर कर ली जाती थीं। मगर अब तो अनजाने में भी हुआ ऐसा कोई उल्लंघन 180 दिनों की लाइफलाइन को खाना शुरू कर देगा। ध्यान रहे, अमेरिका में पढ़ रहे स्टूडेंट्स में चीनियों के बाद सबसे ज्यादा भारतीय ही हैं। इन भारतीय स्टूडेंट्स और उनके पैरेंट्स के सिर पर अब हमेशा यह तलवार लटकी रहेगी कि कोई छोटी सी गलती, या किसी तरह की गलतफहमी, या संस्थान के किसी कर्मचारी की ही



अमेरिका में पढ़ाई

आप का बिखरना, सपनों का दरकना

भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से निकली आम आदमी पार्टी अब अपने ही सिद्धांतों की अनदेखी करने के कारण विवादों में है। सुखपाल सिंह खेहरा को विधायक दल के नेता पद से हटाने से शुरू हुई अंदरूनी जंग पंजाब में अब निर्णायक दौर में पहुंचती दिखाई दे रही है। विधायकों की संख्या के मामले में फिलहाल खेहरा ग्रुप के पास आठ विधायक हैं और 12 विधायक केजरीवाल के साथ हैं पर दो अगस्त को बांटंडा में हुई विशाल रैली से कार्यकर्ताओं की हमदर्दी खेहरा के साथ होने की पुष्टि हो गई है।

केजरीवाल को भी अहसास नहीं था। 26 नवंबर 2012 को पार्टी का गठन करने के पश्चात दिल्ली विधानसभा चुनाव में पहली बार 28 सीटें जीत कर कुछ महीने सत्ता में रहने के पश्चात अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रीय राजनीति में कूदने का मन बना लिया। मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर 2014 के लोकसभा चुनाव में 432 प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतार दिए। आप दिल्ली में एक भी सीट नहीं जीत पाई और केवल 18 सीटों पर ही जमानत बची परन्तु पंजाब में अकाली-भाजपा और कांग्रेस से नाराज चल रहे मतदाताओं ने आप के चार सांसद जिता कर भेज दिए।

बिक्रम मजठिया पर नशा तस्करी के आरोप लगाने

पंजाब में आप को मिले जन समर्थन का शायद

फूलों की जड़ें



माओ ने अपने बचपन के एक संस्मरण में लिखा है कि मेरी मां की एक बगिया थी।

मां बूढ़ी हो गई और बीमार पड़ गई। वह इतनी बीमार थी कि बगिया में नहीं जा सकती थी तो वह बहुत चिंतित थी कि कहीं फूल कुम्हला न जाएं। तो उसने अपने बेटे को कहा कि तू देख सकेगा? बेटे ने कहा- बिल्कुल निश्चित रह, मैं बगिया को देख लूंगा। लेकिन उसे यह पता न था कि फूलों के प्राण जमीन में छिपी हुई जड़ों में होते हैं। जड़ें तो दिखाई पड़ती नहीं हैं, दिखाई तो फूल पड़ते हैं। उसने एक-एक फूल को पानी दिया, एक-एक फूल को झाड़ा, पोछा, प्रेम किया। पंद्रह दिन में बगिया सूख गई। जब मां उठी तो उसने कहा-यह क्या हुआ, बगिया तो नष्ट हो गई। ये फूल तो सूख गए। तो बेटे ने कहा- मैं क्या करूँ? मैंने तो एक-एक फूल को प्रेम किया, एक-एक फूल को झाड़ा, पोछा, बुहारा, लेकिन पता नहीं क्या हुआ कि ये फूल सूखते चले गए। मां ने कहा-बेटे, जड़ों की फिक्र की? उसने कहा-कैसी जड़ें? जड़ों का तो मुझे कुछ पता ही नहीं, जड़ें कहाँ हैं? मां ने कहा कि जड़ें जमीन में दबी हैं। फूलों की फिक्र करनी हो तो फूलों की नहीं, जड़ों की फिक्र करनी पड़ती है।

खाना खजाना



आटा गूंधने के लिए -

4 कप मैदा, 6 बड़े चम्मच घी तेल या घी भरखल के लिए - 6 कप मक्का एक चम्मच इलायची पाउडर एक कप नरियन कट्टरच किया हुआ 3 बड़े चम्मच किचमिड 5 बड़े चम्मच काजू कटे हुए 4 कप पीली का बूटा (हरी हुई चीनी) चखनी के लिए - 4 कप पीली, 4 कप पानी विधि - गुथिया की बाहरी परत बनाने के लिए मैदा छान लें, इसमें घी मिश्रण और फिर जरूरत के हिसाब से पानी डालते हुए सखत सखत लें, इसे थोड़ी देर के लिए गीते काई से इकट्ठे कर रख दें, अब भरखल तैयार करके के लिए मैदा पर काढ़नी गर्म करें, इसमें मक्का डालकर मध्यम आंच पर 3 मिनट तक भूनें, मक्का चखते रहें तबिले उतरे न, जब मक्का सुनहरा हो जाए तो नोड बंद करें, अब बर्तन में मक्का, पीली का बूटा, किचमिड, कटा हुआ नरियन, काजू और इलायची पाउडर डालकर अच्छी तरह मिलाव कर लें, इसके बाद तैयार मैदे को छोटे-छोटे हिस्सों में बांट लें और हर हिस्से को गोल आकार देने के बाद थोड़ी रोटी में बेस लें, गुथिया बनाने का संचालन में और इकट्ठे होने तक इकट्ठा तेल तबिले में रखें और एक चम्मच के कर्तब तैयार की गई भरखल की चखनी को सुकनी मिल लें, तबिले बंद कर दें और जो भी फिलहाल बाहर रख जाए, उसे कटा दें, इसी तरह चार आठ से गुथिया तैयार करें और एक जौले काई से रसते जाएं, कड़ाई में तेल वा घी गर्म करें और मध्यम आंच पर एक बार में 4-5 गुथिया डीप फ्राई कर लें, जब गुथिया हल्की सुनहरी होने लगे तो इन्हें प्लेट में निकाल लें, इसी तरह चारों गुथिया तल लें, चखनी तैयार करने के लिए मैदा पर बर्तन में पानी गर्म कर दें इसमें पीली डालकर चखार, पीली पिघलने तक पानी चखते रहें, जब पीली पिघल जाए तो मध्यम आंच पर चखनी के पकाए, चखनी को उमनी में पिघाकर देवें एक तरफ बनने तक इसे पकाएं, फिर मैदा बंद कर दें, इसके बाद चखनी में गुथिया डालकर चखार, अब गुथिया को चखनी से निकालकर प्लेट में रखें।

शब्द सामर्थ्य

बाएं से दाएं
1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।
ऊपर से नीचे
1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, धृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहतती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

1	2	3	4	5
	6		7	
8	9	10	11	
	12		13	14
	15		16	17
18	19	20	21	22
	23		24	
25				

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 99 का हल

अं	त	म	री	ज			
ग	ह	न	ता	ब	र	ब	स
	की		धि	क्का	र		मा
	का		का	द	वा	खा	ना
प	त	वा	र	स्त	र		
ह						दा	मि
ना	ए	ह	ति	या	त		लां
वा	च	क	हा			खू	ब
		ता	ब	ड़	तो	ड़	र

सू-दोक्

	3			7	
9			6	3	8
	7		9	5	6
					1
3	8		7		5
1		3	9		7
	2		8	7	
	8			2	4
			1		

नियम
1. कुल 81 वर्ग हैं, जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

सू-दोक् क्र.99 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

राशिफल

मेघ: गणेशजी कहते हैं कि आप पूरे दिन शरीरिक और मानसिक दकान महसूस कर सकते हैं। परिश्रम की अपेक्षा कम सफलता प्राप्त होता है। भावना मन में न आए, इस बात का ध्यान रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।
सुख: पिता की तरफ से आपको लाभ होगा। विद्यार्थीगण पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। संतान के अस्तित्व या अन्य मामलों के पीछे धन खर्च सकता है। कलकत्ता तथा दिल्ली में आपकी प्रतिभा दिखाने का उत्तम समय है।
मिथुन: आज अनुकूल दिन है। व्यवसाय कलेक्टरों को सरकार की तरफ से लाभ मिलने और नौकरी पेशवाओं को उच्च पदाधिकारियों की कृपादिष्टि पाने का योग है। भाई-बंधुओं और पड़ोसियों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध रहेंगे।
कर्कट: आज आप शरीरिक और मानसिक अस्वस्थता अनुभव कर सकते हैं। मन में नकारात्मक विचार न आने दें। किसी के साथ गलतफहमी खड़ी होने के कारण मनमुटव हो सकता है। धन खर्च की मात्रा बढ़ सकती है।
सिंह: भ्रष्टाचार आत्मविश्वास और वृद्धांतिक कारण आज आप कोई भी कार्य त्वरित पूरा करेंगे। समाज में मन-रन्धन बढ़ेगा। पिता तथा अभिभावकों का सहयोग प्राप्त होगा। मन अनिश्चित रहेगा। वैवाहिक जीवन में अन्वद बढ रहेगा।
कन्या: शारीरिक अस्वस्थता के साथ-साथ मानसिक चिंता हो सकती है। अंतर् संबंधी शिकार हो सकती है। परिवारिक संघर्षों के साथ मनमुटव हो सकता है। आकस्मिक धन खर्च हो सकता है। तुल्य: आपके लिए आज का दिन शुभफलदायी होगा। विविध क्षेत्रों में मिलनेवाले लाभ से आपकी प्रसन्नता में वृद्धि होगी। आपकी आय में भी वृद्धि होगी। मित्रों के पीछे खर्च भी होगा और उनसे लाभ भी प्राप्त होगा। रुचिकर भोजन प्राप्त होगा।
बृहिक: आज का दिन आपके लिए शुभ फलदायी होगा। व्यावसायिक स्थल पर कातावरण अनुकूल प्राप्त होगा। उच्च अधिकारीगण प्रसन्न रहेंगे। नौकरी में प्रमोशन होगा। गृहस्थ जीवन में अन्वद का वातावरण रहेगा।
धनु: स्वास्थ्य नरम-गरम रह सकता है। शरीरिक रूप से आरंभ्य का अनुभव हो सकता है। मन में व्यथा रह सकती है। व्यावसायिक रूप से ब्याह उपरिष्ठ हो सकती है। संकटजनक विचार या व्यवहार से दूर रहें।
मकर: आज आकस्मिक धनखर्च हो सकता है। व्यावहारिक और सामाजिक कार्य के लिए बाहर जाना हो सकता है। वाणी और क्रोध पर संयम रखें। नकारात्मक भावनाओं को संवरारंभकता से दूर करें। व्यावसायिक स्थल पर अनुकूलता रहेगी।
कुंभ: आज आप पर्येक कार्य मनोबल और आत्मविश्वास पूर्ण करेंगे। प्रवास या पर्यटन की संभवता अधिक है। स्वदिष्ट व्यंजनों का भोग एवं नए वस्त्र परिधान के प्रयोग उपरिष्ठ होंगे। साहसियों से लाभ होगा। वाहनचुख प्राप्त होगा।
मीन: आज का दिन शुभफलदायी है, ऐसा गणेशजी कहते हैं। आप में मनोबल और आत्मविश्वास अधिक रहेगा। शरीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे। परिवार का वातावरण भी शान्तिप्रद रहेगा। प्रतिस्पर्धियों के समक्ष विजय प्राप्त होगी। वाणी पर भी संयम रखें।